Year 2021
October– December

Sadanlal Sanwaldas Khanna Girls' Degree College, Prayagraj

A Constituent College of University of Allahabad
Accredited 'A' Grade by NAAC
College With Potential For Excellence, Phase II : UGC
Selected under Strengthing Component of Star College Scheme : DBT

Newsletter

OCTOBER–DECEMBER 2021

डॉ मंजरी शुक्ला, समन्वयक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ,

न्यूजलेटर उपलब्धियों और महत्वपूर्ण समाचार, योजना आदि की अभिव्यक्ति ही नहीं बल्कि शिक्षण संस्था की कार्य संस्कृति और संकल्प का संवाहक भी होता है। महाविद्यालय IQAC आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, 'राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद' की अपेक्षाओं के अनुरूप शिक्षण संसाधन और शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। त्रैमासिक न्यूज लेटर प्रकाशन इसी संकल्प की एक कड़ी है। महाविद्यालय शिक्षकवर्ग और छात्राएं स्वमूल्यांकन, जवाबदेही, स्वायत्तता और नवपद्धतियों के प्रति प्रोत्साहित हों, राष्ट्रीय विकास में योगदान करने, वैश्विक सक्षमताओं की समक्ष और मूल्यपरक प्रणाली व प्रौद्योगिकी की सहायता से उत्कृष्ट से उत्कृष्टतम की ओर बढ़े, महाविद्यालय की समस्त शैक्षिणिक गतिविधियों का यही सरोकार हैं।

उत्कृष्ट लेखन व सृजन की संस्कृति छात्राओं में विकसित करने के लिए विभिन्न समितियों मे कैनवा, एडोब, स्पार्क, ल्यूसिडप्रेस, एडोब इन डिज़ाइन, माइक्रोसॉफ्ट विसमें कार्यक्रम की सहायता से मासिक न्यूजलेटर निकालने का प्रशिक्षण देकर प्रतियोगिता आयोजित करने की भावी योजना है। न्यूजलेटर के कलेवर और सामग्री में निरन्तर प्रगति हो सके, इस हेतु पाठकगण के सुझाव व टिप्पणी sskiqac@gmail.com पर आमंत्रित हैं ।

Professor Lalima Singh, Principal

Education is not an act of acquiring knowledge, but learning a skill to lead life and forming one's personality. S. S. Khanna girls' degree college is committed to provide quality education to girls and thereby enabling them to become efficient and confident agents of social change. Dear students, I feel happy when bright and talented students perform remarkably well. However, what makes me happier is when socially and economically weak students works hard towards achieving their goals. All the best to dear students and faculty members.

एस.एस. खन्ना महाविद्यालय को इंस्टीटयूशंस इनोवेशन काउंसिल 2020–21 की वार्षिक ग्रेडिंग में 3.5 स्टार मिले हैं। इसकी घोषणा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की इनोवेशन सेल और अखिल भारतीय तकनीकी परिषद की तरफ से संस्थान के सत्र 2020–21 के वार्षिक प्रदर्शन के आधार पर की गई है। निश्चित ही संस्था की यह बडी उपलब्धि है।

IQAC 2021-22

Chairperson

Prof. Lalima Singh

Cordinator

Dr. Manjari Shukla

Members

Dr. Meenu Agrawal

Dr. Ritu Jaiswal

Dr. Archana Jyoti

Dr. Sippy Singh

Dr. Tanushree Roy

Dr. Riya Mukherjee

Dr. Saumya Krishna

Dr. Mohd.. A.Rahman

Dr. Jyoti Baijal

Inauguration of child Care Centre,

One Day Webinar in Collaboration with Jeevitam on Aapda Mein Avsar

A One-Day Webinar was organised by the Training and Placement Cell, S.S.Khanna Girls' Degree College, which focused on providing Work from Home Opportunities for the students of the college. The webinar discussed the perspective of the work providers, the discipline and expectation from the work providers, the important skills that needed to be honed for the purpose especially in regard to the rapidly digitising world. The focus of the webinar was to increase the employability chances of the students even while they were pursuing their education.

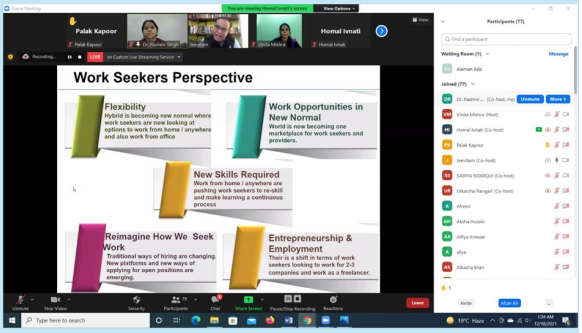

Self Defence Workshop

Personality Development और Environmental Awareness Programme (UGC, CPE Phase II) के अन्तर्गत एक सप्ताह के Self Defence Workshop का आयोजन किया गया। इस Programme में Personality और Environmental Programme के अतिरिक्त महाविद्यालय की UG, PG और B.Ed. की लगभग 250 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। Self Defence Programme के अन्तर्गत छात्राओं को आत्मरक्षा के गुण के साथ–साथ शारीरिक रूप से स्वास्थ्य कैसे रहा जाय, इस पर अलग–अलग दिवसों पर Mr. S.N. Vidyarthi, National Trainer, Wushu और Karate तथा उनके सहयोगियों ने प्रशिक्षण दिया। Workshop का उद्घाटन दिनांक 12.12.2021 को महाविद्यालय की उपप्राचार्या डॉ. नीरजा सचदेव के द्वारा छात्राओं को शुभकामना तथा प्रशिक्षण टीम के स्वागत के साथ हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 17.12.2021 को हुआ। समापन समारोह में जस्टिस अरुण टण्डन, प्राचार्या, प्रो. लालिमा सिंह तथा IQAC की चेयरपर्सन डॉ. मंजरी शुक्ला तथा महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे। छात्राओं ने प्रशिक्षण में प्राप्त गुणों का प्रदर्शन किया तथा जस्टिस अरुण टण्डन ने छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए प्रशिक्षण टीम का परिचय प्राप्त किया और प्राचार्या, प्रो. लालिमा सिंह ने छात्राओं को शुभकामनाएँ दी। सप्ताह भर चले इस Workshop का आयोजन Personality Development के Co-ordinator डॉ. हरीश कुमार सिंह की देख–रेख में सकुशल सम्पन्न हुआ।

Motivational Session by Ms. Anita Kumari, a successful mushroom cultivator

A Motivational Session by Ms. Anita Kumari, a successful mushroom cultivator was organised on 12.11.2021, by the training and Placement Cell, S.S.Khanna Girls' Degree College, in which 101 students participated. **Ms. Anita Kumari is** known as the 'Mushroom Lady of Bihar' Bihar. has been recognised by 18 awards by the Central government and Bihar government, and has been instrumental in giving employment to a number of women of her area. The session encouraged the students to begin entrepreneurship in the area of mushroom cultivation, and encouraged and filled students with the idea that entrepreneurship can act as an alternate career choice. Students also derived a lot of ideas about the basics of mushroom cultivation

उर्दू विभाग द्वारा आयोजित वेबिनार – अकबर इलाहाबादी

17 नवम्बर 2021 को एस.एस. खन्ना महिला महाविद्यालय में ''अकबर शताब्दी'' समारोह के अवसर पर उर्दू विभाग द्वारा ''अकबर इलाहाबादी की सदी तकरीब'' के विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. आफाक अहमद आफ़ाकी, अध्यक्ष उर्दू विभाग, बनारस हिन्दु युनीवर्सिटी ने अपने वक्तव्य भाषण में अकबर के अहद के समाजी, सियासी और तहज़ीबी हालात पर रौशनी डाली एवं अकबर के तालीमी नज़रयात पर अपने ख्यालात का इज़हार किया। कार्यक्रम के दूसरे वक्ता प्रो. अहमद महफूज़ ने कहा कि अकबर का शुमार उर्दू के पाँच बड़े शायरो में होता है और यह हमारे लिये गर्व की बात है कि अकबर का तालुक्क इलाहाबाद से है जिनका शुमार उर्दू के सबसे बड़े तन्ज़–ओ–मज़ाह शायर के रूप में होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अकबर क्यों और किस तरह से बड़े होते है यह हमें समझने की जरूरत है।

या इलाही ये कैसे बन्दर है'
इरतिक़ा पर भी आदमी न हुए।

अकबर के इस शेर के माध्यम से प्रो. महफूज़ ने अकबर की इन्सानी इरतिक़ा के नज़रिये पर भी चर्चा की। महाविद्यालय कि वाइस प्रिसंपल डॉ. नीरजा सचदेवा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ताहिरा परवीन एवं धन्यवाद डॉ. आरिफां ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या, डॉ. लालिमा सिंह, डॉ. रितु जयसवाल, डॉ. रूचि मालवीय, डॉ. निशि सेठ एवं वैभव अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

प्राचीन इतिहास विभाग
हमारी ऐतिहासिक धरोहर और नए संचार माध्यम'' विषयक कार्यशाला,

सदनलाल सांवलदास खन्ना महिला महाविद्यालय में प्राचीन इतिहास विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनॉक 6 अक्टूबर 2021 को किया गया जिसका विषय था–**''हमारी ऐतिहासिक धरोहर और नए संचार माध्यम''। मुख्य वक्ता थे –इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मीडियो सेंटर के कोर्स को – आर्डिनेटर डॉ धनंजय चौपडा।** उन्होने ऐतिहासिक और सांसकृतिक धरोहरो और स्मारकों पर बडे ही सरल परन्तु आकर्षक तरीके से तीन तरीकों पर प्रकाश डाला, **ब्लाग बनाने, पोड कॉस्टिंग और डिजिटल स्टोरी टेलिंग विधियों** को सविस्तार बताया। उन्होने सर्वप्रथम उददेष्य, विषय, ऑडियंस एज टारगेट के चुनाव पर बल दिया तभी ब्लाग या डिजिटल स्टोरी अपने उददेश्यों पर खरी उतरेगी। उन्हाने कहा कि 'विरासते यदि साथ छोड दे तो भाषा साथ छोड देती है, यदि भाषा साथ छोड दे तो संस्कृति छूट जाती है यदि संस्कृति छूट गई जो जीवन पीछे छूट जाता है।' उन्होने बताया कि आगामी 27 अक्टूबर को World Day for Audio Visual Heritage मनाया जाएगा जिसका इस वर्ष का विषय Your Window to the World अर्थात ''विश्व आपकी खिडकी से''चुना गया है। छात्राओं से अपील की कि वे इस अवसर पर आभासी संचार माध्यम से ऐतिहासिक धरोहरों को प्रस्तुत करने का प्रयास अवश्य करें । कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार के शिक्षामंत्रालय द्वारा प्रस्तावित ''visit of students to 100 identified tourist destinations inder Ek Bharat Shreshth Bharat related to implementation of NEP 2020 के अन्तर्गत किया गया था। इस कार्यशाला में देश के लगभग 365प्रतिभागियों ने रजिष्ट्रेशन कराया और प्रतिभागिता की। प्राचार्या उा लालिमा सिंह के निदेष्न में कार्यक्रम का आयोजन और समन्वयन डॉ मीनू अग्रवाल, कन्वीनर, प्राचीन इतिहास विभाग ने किया। डॉ प्रियंका गुप्ता ने संचालन, डॉ रीतु जायसवाल ने स्वागत तथा डॉ निशि सेठ न आभार ज्ञापित किया।

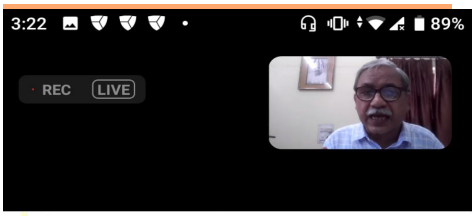

नई शिक्षा नीति पर मंथन (Nov. 27th, 2021 at 01:00 PM)

महाविद्यालय में शनिवार को पर्सनालिटी डेवेलपमेंट एवं एनवायरलमेंटल एवेयरनेस प्रोग्राम की तरफ से इनोवेशन सेल में वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मुक्ष्य वक्ता थे– नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन ससूलिंग के क्षेत्रीय निदेशक डॉ आलोक कुमार गुप्ता। उन्होने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार साझा किए। प्राचार्या प्रोफेसर लालिमा सिंह, डॉ नीरजा सचदेव एवं डॉ मीनू अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे। धन्यवाद डॉ अनुराधा सिंह और डॉ हरीश सिंह ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा कु. सादिया सिद्दीकी ने किया।

Upcoming events :

- **Workshop on DigiLocker**
- **Workshop on How to Make PPt**
- **Faculty Development Programme**
- **Workshop on Tally**
- **Workshop on Resume Writing & Personality Development**
- **Lecture Series on Environmental Issues**
- **National Science Day Celebration**

Collage competition on Human Rights

Women Cell, organized a national-level collage competition on the occasion of International Human Rights Day. The theme of the competition was **"All Human, All Equal".** The competition was opened for UG, PG students, and research scholars of the Universities and colleges. The competition commenced on 10th December 2021 and it was formally closed on 18th December 2021. The entries were invited by online mode and overall 10 entries were received in this duration. The merit list-

Priyanshi Mishra, B.Ed., Shri Ramswaroop Memorial University, Lucknow -1st Prize

Sadiya Siddiqui, BA III, S.S. Khanna Girls' Degree College- 2nd Prize

Interdisciplinary lecture

As per interdisciplinary approach, the Department of Botany had organized an online lecture on the topic **"DNA: A Molecule of Heredity"** on 22/11/2021.

Dr. Anuradha Singh (Assistant Professor, Department of Chemistry, S. S. Khanna Girls' Degree College, Prayagraj) delivered an excellent and knowledgeable lecture to the students on the said subject.

National Pollution Control Day

Date : 02 December, 2021 Environmental Awareness (CCEA-2021) and Personality Development (CCPD-2021) program (UGC CPE-II scheme) in collaboration with SSK Innovation Cell jointly celebrated the National Pollution control Day on 02 December, 2021 on the topic **"Youth: informed agents of solution for pollution"**. The Eminent speaker of this webinar was **Dr Saba Ishaq,** Environmental & Developmental Professional, Founder Curator at Resource Centre for Responsible Actions (RCRA).

Debate Competition (Topic: Is Technology a Boon for Women?)

Women Cell organized an offline Debate Competition on the topic, "Is Technology a Boon for Women?" on 23.11.202110 students of the college from different faculties participated in the competition. 06 students spoke for the motion, and 04 students spoke against the motion. The Chief Guest (Judge) of the event was Dr.Rachna Singh, Associate Professor, Iswar Saran Degree College, Prayagraj. The Best Speaker For the motion was awarded to Shweta Singh, M.A Sem III, B.Ed. Faculty. The Best Speaker Against the motion was awarded to Pushpita Banerjee of B.A. Part II. Consolation Prize was awarded to Usma Hasib of B.A. Part III.

The program was moderated by Sadiya Siddiqui, B.A. Part III. Nestra Dwivedi of B.Ed. Sem III delivered the welcome speech while the Vote of Thanks was accorded by the Chairperson of the Women Cell, Dr. Rashmi Singh. Dr.Neerja Sachdev, Vice-Principal of the college inspired the students with her words of encouragement. Also present on the occasion were Dr. Vinita Mishra, Dr.Preeti Yadav, Dr. Riya Mukherjee, and Mr.Vaibhav Agarwal.

Online Quiz Competition

Department of Medieval History organized an Online Quiz Competition on the occasion of Gandhi Jyanti to celebrate Bharat Amrit Mahotsav, From 2nd Octber 2021 to 15th 0ctober 2021. Faculty members, researchers, and students from different institutes of India participated in this quiz. A total of 1043 participants registered for the activity.

Online National Level Shlok Chanting competition
December 27, 2021
Certificate Of Honour

संस्कृत विभाग

कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तरीय श्लोक पाठ प्रतियोगिता में 27 दिसम्बर, 2022 को विभाग की छात्रा सुनैना मिश्रा व मानवी यादव, बी. ए. द्वितीय वर्ष ने प्रतिभाग किया व सुनैना मिश्रा को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

त्रिवेणिका संस्कृत परिषद् व सी.एम.पी महाविद्यालय द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित कार्यक्रम में विभाग की बी.ए. द्वितीयवर्ष की छात्रा शिवानी ने संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में एवं प्राची ने संस्कृत एकल गीत प्रतियोगिता में भाग लिया।

The roots of yoga are rooted in the ancient culture of India

Miss Savita Mishra, M.A., Sem. IV, Dept. of Medieval History

This inspiring message is often received from elders in the house. That if the morning starts well, then the whole day is spent happily. Yoga is powerful means to make the day pleasant. Yoga is very useful in the physical, mental and spiritual development of human beings. Many diseases have started gripping the body. In such a confusing and stressful routine, if the day is started with yoga, then not only the mind remains happy, but many diseases in the body themselves start ending. Yoga means restraint or balance.

The roots of yoga in India are about 5000 years old. In the oldest Indus Valley Civilization here, the statue of Shiva found in a yoga posture on a pose presents evidence of yoga science in India in 2750 BC. Hence Shiva is referred to as the first Yoga Guru or Adi Yogi. Surya worship was given more importance in Vedic culture, which is popular today as Surya Namaskar asana. Maharishi Patanjali compiled the science of yoga and yoga postures existing in the then society in the Yoga Sutras. He considered the control of the attitude of the mind to be yoga. In Yoga Vashistha, the meaning of the word Yoga has been told to cross the ocean of the world. The sixth century BC is known as a religious and social revolution. During this period, the elements of yoga practice are clearly visible in the Panch Mahavrata of Mahavir Swami and the Eightfold Path of Mahatma Buddha. In Shrimad Bhagavad Gita, equality and efficiency in action have been called Yoga. It got expansion in the form of Jnana Yoga, Bhakti Yoga and Karma Yoga. And Vyasa wrote an important commentary on the Yoga Sutras.

Today, in the era of this epidemic, almost all the people, whether it is children or elderly, women, men, students, workers, daily wage workers, are all going through a state of stress. This stress itself later takes the form of depression. And when the symptoms of depression fall on the body, then it comes in front of us in the form of shouting, quarreling, wandering around anxiously, doing some work again and again or increasing body temperature and having headache. Along with this, a person with healthy mental health also keeps on getting two or four hands from many physical ailments from time to time.

In such challenging times, the remedy to keep both the physical and mental aspects healthy is contained in yoga. Doctors have also accepted that the collaboration of Ayurveda and Yoga has shown miraculous effect in the treatment of corona infected patients. A report published by the US National Library of Medical Medicine noted that "yoga with meditation can help delay aging and prevent many diseases early on." Yoga not only aids in healing physical health but also improves emotional and mental health. It has been accepted as an official sport in America because of its importance.

While regular practice of yoga increases concentration, it keeps the body, mind and soul healthy. And increases oja and energy. Along with the circulation of energy and energy, the nerves and nerves are purified. And also get the ability to fight disease. It generates the ability of the body to fight the virus from inside and outside and removes the stress of the mind. With a strong immune system, the body does not get infected quickly. Blood pressure, thyroid, diabetes, back pain and knee pain can also be controlled through yoga.

Kapalbhati Pranayama, by increasing the vitality, strengthens the respiratory system and makes breathing comfortable. Also increases immunity.

Anulom vilom provides relief in common cold, cough and cold. And the respiratory function is better and the immunity is stronger. Even with Bhastrika Pranayama, the cells of the body remain healthy and there is no disease related to respiratory function. And the immunity is strengthened. Vata, Pitta and Kapha are removed. Bhramari meditation yoga increases the self-power, which removes depression, loneliness and stress, nervousness, restlessness. And the person becomes mentally strong and remains happy.

गांधीनामा : अकबर के बहाने–गांधी के तक़ाज़े

– डॉ0 ताहिरा परवीन

अकबर के समय में दो तहज़ीबों और दो कल्चरों (दो सभ्यता और संस्कृति) का आपस में ख़ास/टकराव था। पश्चिम की पुरानी तहज़ीब और पश्चिम से हिन्दुस्तान आती हुयी नयी तहज़ीब, इसी में इस्लाम और ईसाईयत का सियासी और मज़हबी झगड़ा भी शामिल हो गया। अंग्रेज़ हिन्दुस्तान को पूरी तरह से अमली सियासत, तहज़ीबी और सांस्कृतिक शिंकंजों में जकड़ने की भरपूर कोशिश कर रहे थे। अकबर इस बढ़ते हुए सैलाब को रोकने की कोशिश में लगे। क्योंकि यह बात वो बाखूबी जानते थे कि यह सूरत अगर हिन्दुस्तानमें पैदा हो जायेगी तो समाज और सोसायटी में एक तरह की खराबी कर पैदा हो जाना लाज़मी सा होगा क्योंकि अंग्रेज़ सिर्फ सियासी तौर पर ही काबिज़ (कब्ज़ा) नहीं चाहते थे बल्कि वो आहिस्ता– आहिस्ता हिन्दुस्तानी तहज़ीब और तरीक़ों को भी बदल देना चाहते थे। अकबर को इन्हीं सबका ख़तरा था।

ग़र्ज़ कि अकबर ने किसी भी तरह से अपने शऊर (विवेक) और दिल में छुपे हुए तज़ाद (अंतर्विरोध) और कश्माकश को छिपाया नहीं, बल्कि उनका हर तरह से इज़हार (व्यक्त) भी किया है। बक़ौल शमसुर्रहमान फारूक़ी : ''अकबर ने गाँधीनामा'' अपने जीवन काल में प्रकाशित नहीं किया। क़मरूद्दीन अहमद का बयान है कि अकबर कहते थे कि मैं अंग्रेज़ों की मुख़ालफत खुलकर करूं तो यह बेअसर और हानिकारक बात होगी।'' इस तरह से हम कह सकते हैं कि अकबर अपने दिल की बात पूरी तरह से गांधीनामा में कहते नज़र आते हैं– गांधीनामा की शुरूआत ही इस अंदाज़ से करते हैं–

इन्क़लाब आया नईदुनिया नया हंगामा है।
शाहनामा हो चुका अब दौर–ए–गांधीनामा है।।

यह अशार इस बात की तरफ भी इशारा करते हैं कि अब नई दुनियाँ इन नये विचारधारा के साथ प्रवाह कर रही थी अब यह ख़तम होने वाली है ग़र्ज़ कि फिरदौसी का ''शाहनामा'' इसकी बेहतरीन मिसालहै। शाहनामा में मुल्क पर ज़बरदस्ती कब्ज़ा करने वालो का ज़िक्र है, और अब दौर गांधीनामा है, क्योंकि गांधी के दौर में आमलोगो की बातें, उनके मसायल, उनकी बेहतरी की फिक्र की जाने लगी थी और यही बातें अवाम को अपील भी करती थी। सच बात तो यह है कि अकबर ने अपने दौर, समाज और आम आदमी की बातो को गांधी में तलाश की और गांधी के मकसद को परवान चढ़ाने और दूसरी क़ौम को अपने मुल्क से बेदखल करने की बातें गांधीनामा में पेश कर ही दिया।

लश्कर–ए–गांधी को हथियारों की कुछ हाजत नहीं,
हाँ, मगर के इंतिहा सब्र–ओ–क़नाअत चाहिये।

अकबर गांधीजी के रास्ते में आयी हुयी दुश्वारियो और उनसे नजात पाने के रास्ते भी बताते चलते हैं कि जो लोग भी उनके साथ हैं उनको हथियारों की ज़रूरत नहीं है।सब्र और क़नाअत की ज़रूरत है यही हिन्दुस्तानियों की तरक्की का रास्ता भी है और अपने अगले क़दमों की तरफ अग्रसर होने का भी ज़ीना है। अकबर इलाहाबादी की नज़्म 'गांधीनामा' बदलती हुयी दुनिया में केवल न सिर्फ एक आला (हथियार) का काम कर रही थी और दोनों क़ौम को मिलाने, सच ही की राह मे चलना और शासक वर्ग से जागरूक रहने और फासलों को कम करने के लिये शायद 'गांधीनामा' से बेहतरीन नज़्म नहीं हो सकती। सच बात यह है कि तमाम तारीफो और आलोचनाओं के बाद भी अकबर की रंग और उसकी महानता एक नये विचार को जन्म देती है, जो धारणा हमारे दिल–ओ–दिमाग़ में पहले से मौजूद थी उसको एक बार नये सिरे से सोचने–ग़ौर करने और फिर से दोबारा पढ़ने की जरूरत है। यही अकबर का संदेश भी है महात्मा के नाम यही अकबर का गांधीनामा है।

कृषकों की समस्याएं और आंदोलन'

सना कौसर, एम. ए. प्रथम सेमेस्टर
मध्यकालीन इतिहास विभाग

भारत एक कृषि प्रधान देश है और लगभग 70: भारतीय किसान है जो ग्रामीणों में कृषि कार्य करते हैं। इन किसानो के द्वारा ही प्राप्त कच्चे माल से उद्योगों की स्थापना होती है। इस प्रकार हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। किसान ही हैं जो दिन रात काम करते हैं हल चलाते हैं अनाज उपजाते हैं यह हमारे अन्नदाता हैं। इन सब के बावजूद इन किसानों को आए दिन अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी बाढ़ और कभी सूखे की वजह से कृषि भूमि बर्बाद हो जाती है तो कभी बीजो का दाम बढ़ जाता है कभी मूल्यों में परिवर्तन कर दिए जाते हैं। जिससे उन्हें आर्थिक रूप से हानि होती है यही कारण है कि किसानों को उनकी मांगों की पूर्ति के लिए आंदोलन करने पड़ते हैं।

यदि हम कृषकों की आर्थिक स्थिति पर नजर डालें तो देखेंगे कि उनकी आर्थिक स्थिति दिन प्रति दिन गिरती जा रही है तथा वे कर्ज के बोझ से लदे हुए हैं। किसानों की सालाना आए 2000 से भी कम है यानी महीने में केवल 1700 के करीब इतनी कम आय में किसान अपना भरण–पोषण कैसे कर पाएगा? ऐसी स्थिति में सरकार को चाहिए कि वह मंडियों को किसानों तक लाए ताकि वह अपनी फसल को सही दामों पर बेच सकें ज्यादातर संख्या में छोटे किसान है। जो आर्थिक रूप से इतने संपन्न नहीं है कि मंडियों तक जा सके यही कारण है कि कभी–कभी तो किसानों की आत्महत्याओं की घटनाएं भी हमारे सामने आती रहती है।

किसानों ने अनेक बार कृषि नीति में परिवर्तन करने के लिए आंदोलन किए हैं वर्तमान में यह आंदोलन लगातार बढ़ रहे हैं। भारत सरकार द्वारा जब कृषि सम्बंधित कानून जारी किया गया तो इस पर किसानों ने विरोध व्यक्त किया तथा उन्होंने इसे किसान विरोधी कानून की संज्ञा दी। यह देखा गया है कि किसी भी आवश्यक मांग का स्वरूप सामाजिक व राजनीतिक तत्वों का एक अहम मुद्दा बन जाता है जो इससे अपने अपने लाभ के लिए अपने–अपने तरीकों से प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं हम यह देख सकते हैं कि ऐसा किसी एक क्षेत्र में एक बार के घटित घटना नहीं अपितु प्रत्येक आंदोलनों तथा प्रत्येक घटनाओं में देखा जाता है भारत जैसे देश में आम सी बात है। इस प्रकार किसान आंदोलन ने भी एक अहम भूमिका निभाई है जिसने राजनीति को एक या यूं कहें राजनीतिक नेताओं को एक नया मुद्दा दिया। यदि यह कानून पारित किया जाता तो सरकार किसानों से गेहूं और धान जैसी फसलों की खरीद कम करते हुए बंद कर सकती थी। जिससे उन्हें हानि सहना पड़ता और निजी कंपनियों को फायदा होता और यह कंपनियाँ अपनी मर्जी से दामों में कभी भी परिवर्तन करती और गुणवत्ता के आधार पर मूल्य का निर्धारण करती तथा निजी कंपनियों के आने से सरकार भी सीधे किसानों से अनाज लेना बंद कर देती तथा किसान न तो अपने मुताबिक कीमत लगा पाता और न उत्पादन जिससे नुकसान तो किसान का ही होता और उन्हें आर्थिक हानि का भी सामना करना पड़ता।

इस आंदोलन को हम दो आयामों में बांट सकते हैं। एक पक्ष नकारात्मक तथा दूसरा सकारात्मक यदि नकारात्मक पक्ष देखे तो इस आंदोलन में राष्ट्र की गरिमा को आघात पहुंचाने का कार्य किया। 26 जनवरी के समारोह के कुछ घंटों के पश्चात ही लाल किले में बलपूर्वक प्रवेश कर आंदोलनकारियों ने राष्ट्र की संपत्ति व गरिमा को आघात करते हुए लाल किले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज को हटाकर उसकी गरिमा को भंग किया और यदि सकारात्मक पक्ष की बात करें तो यह आंदोलन पूर्ण रूप से सफल रहा तथा सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेना पड़ा।

यदि हम विचार करें तो यह भी देखेंगे कि आर्थिक रूप से संपन्न न होने के कारण अधिक मात्रा में किसान अशिक्षित भी है जिसकी वजह से भी आंदोलन के लिए जल्दी उत्तेजित हो जाते हैं और कई बार किसानों को ऐसी कई स्थिति का भी सामना करना पड़ा है जिसके कारण उन्हें आशंका और चिंता बनी रहती है और वह नई नीतियों पर विश्वास नहीं कर पाते। ऐसा नहीं है कि इन आंदोलन में से किसानों को कोई नुकसान नहीं होता उन्हें उन्हें भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

यदि हम किसानों की स्थिति की बात करें तो विकसित देशों में तो किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी है परंतु भारत जैसे विकासशील देश में किसानों की स्थिति अच्छी नहीं है और अगर हम वर्तमान में भी देखे तो उन्हें आज भी पहले की ही भांति आए दिन अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जैसे कभी सूखा तो कभी बीज के बढ़ते दामों की समस्या हालांकि सरकार द्वारा तो किसानों की स्थिति सुधारने के लिए कई प्रशासनिक कार्य किए गए हैं जैसे पीएम किसान सम्मान निधि या अन्य कृषक योजनाएं। इसी प्रकार सरकार को ऐसी और भी कई योजनाएं लानी चाहिए जिससे कि किसानों की आर्थिक स्थिति उन्नत हो सके।

Faculty Corner

CONCLUSIONS, SUGGESTIONS AND EDUCATIONAL IMPLICATIONS OF THE MINOR RESEARCH CONDUCTED UNDER CPE PHASE II

PERCEPTION OF TEACHERS' IN HIGHER EDUCATIONABOUT THE USE OF BLENDED LEARNING

Dr. Neeta Sahu, Assistant Professor, Department of Education

Blended learning is an approach to education that combines both online and offline modes of teaching and learning. Online educational materials are provided in synchronous and in asynchronous form and simultaneously face to face traditional classroom teaching is also done. The term 'blended learning', "hybrid learning", "technology- mediated instruction", "web enhanced instruction", "and "mixed mode instruction are often used interchangeably.It was a descriptive research in which survey method was used. Independent Variable were: gender, teaching stream and teaching experience while dependent Variable was use of blended learning approach. The two stage sampling procedure was applied to select the institutions and the teachers.The rating scale (made by the researcher) "Perception of Teachers in Higher Education about the Use of Blended Learning" was used to collect the data.

Following conclusions have been drawn on the basis of the **results** of the study-

1) Male and female teachers do not differ significantly in their perception about the use of blended learning approach.
2) There exists no significant difference in the perception of the teachers of Arts and Science faculty about the use of blended learning approach.
3) No significant difference has been found in the perception of more experienced and less experienced teachers about the use of blended learning approach.

Educational implications

1. It is implied from the results that both male and female teachers are having the same perception, hence there is no need to provide additional facilities to promote any of them on the basis of their gender.
2. Results of the study imply that teachers of both the streams are similar in their perception. There is a need to have a changed attitude towards teachers of the arts faculty, equal facilities and treatment is required for the teachers of both the streams.
3. Results indicate that both more and less experienced have similar perceptions thus it is implied that more experienced teachers should be praised for their attitude.

Suggestions

As no difference has been found in the perception on the basis of gender. Hence it is suggested that this situation should be maintained and equal opportunities, conducive environment, institutional support, faculty development opportunities should be available to both the teachers.

Similar perception shows that the teachers of both the streams are concerned with the use of blended learning. It is suggested that teachers of both streams should be treated equally. Facilities, equipment should be provided to both the streams without any discrimination.

Old and more experienced teachers should be praised for their awareness about blended learning approach and should be provided more facilities to apply this approach. While the new and less experienced teachers should also be encouraged for their knowledge and concerns about blended learning approach.

The seven-day Hands-on Clay Modeling Workshop "Clay Stories"

To expose the hidden talent of the students through the medium of colours, provide them with a platform to showcase and enhance their creative skills in designing and pattern making, The seven-day, Hands-on Clay Modeling Workshop "Clay Stories" was organized under the Environmental Awareness (CCEA-2021) and Personality Development (CCPD-2021) program UGC CPE-II scheme in collaboration with the Department of Painting and Favicril.. The workshop culminated as an exhibition on the premises of the college on 02 November 2021 on the occasion of the Diwali festival. The exhibition was inaugurated by the college management on the auspicious occasion of Dhanteras Puja organized by the Saraswat Khatri Pathshala Society of the college. Mr. Ravi Verma; Artists and Managers; Pidilite India Limited, Gorakhpur and Mrs Anjali Saxsena were the resource persons of the workshop. Beautiful artworks and lamps etc. were made by the students of the college in the exhibition. College students, teachers, parents and staff members were overwhelmed to see such beautifully handcrafted pieces. The best artworks were also awarded in the workshop.

- Rishika Verma (MA) won the first prize,
- The second prize was won by Faiza Afzal (MA) and
- The third prize was won by Vanshita Agarwal (BA).

All the students got the certificate of participation.

.

Online Poster competition

Extension Committee Organized an online poster competition on the topic “Awareness to Avoid the Use of Single Use Plastic” as part of the 75 week long campaign of Azadi ka Amrit Mahotsav. The competition was opened between 14-24 October 2021.

National Unity Day– Essay Competition

History Association organized an Online National Level Essay Competition on the occasion of National Unity Day, on the topic: Role of Sardar Vallabh Bhai Patel in National Unity From 31-10-2021 to 10-11-2021. Faculty members, researchers, and students from different institutes of India participated in this competition. Total 82 participants registered for the activity.

First Position : Jesura R

Second Position : Zikara Mohsin

Third position : Gudia, Anshika Kushwaha, Parshuram M, Shailja Mishra, Jyoti Shukla

Were the position holder of the competition

World Thrift Day celebrated by Commerce Faculty

Nand Kishore Khanna Commerce Faculty of the college organized a special online lecture on 30th October 2021 to celebrate ‘World Thrift Day.’ Mrs. Shilpi Chaurasia, Manager (MPST), State Bank of India was the resource person. She told the students that from 1924, 31st October is being celebrated as ‘World Thrift Day’ in the entire world but in India it is celebrated on 30th October which is also known as ‘World Savings Day’. This day is celebrated to make the people aware about the significance of savings and promote them to deposit their savings in banks rather than keeping it at home. She emphasized on the relevance and importance of savings and informed about the availability of various types of bank accounts and insurance schemes. She also mentioned many examples to clarify the misconceptions associated with the concept of savings. Coordinator of Commerce Faculty,

Dr. Ritu Jaiswal welcomed the resource person and senior faculty member Dr. Meena Chaturvedi proposed vote of thanks.

Important points of (NEP) 2020-Dr. Meenu Agrawal, Co-ordinator , Faculty of Arts

- MHRD's name has been changed to the Education Ministry.
- The education budget has been increased to 6% from 4.43%.
- For School Education 10+2 formula has been changed to 5 + 3 + 3 + 4 model.
- Professional and skill Education started in class 6th.
- Graduation degree changes its pattern and also introduced to drop out option.
- The importance of M.Phill has been eliminated.
- Study in local or national language class 5.
- The common entrance exam for higher education.
- In the place of UGC, NCTE and AICTE regulatory bodies will conduct.
- Emphasize online education.
- Now foreign universities can establish their campus in India.

Under the **new national education system**, the students will learn a four-year graduation program there will be lots of options for dropout. If any student wants to drop out after the first year he or she will get a certificate, dropout after 2nd year he or she will get an advanced certificate, dropout after 3rd year he or she will get a graduation degree, and if he or she will complete all the four years of degree he or she will get a complete graduation degree with research.

Students who don't want to do a master's degree and want to do a job after graduation have to complete only 3 years of degree and after that, they can get a graduation degree. But if someone wants to do the research he or she can continue in the 4th year of the degree and after that, they will get a graduation degree with research. Masters program for 3 years degree holders will be 2 years, and for 4 years degree holders will be 1 year.

The provision of M.Phil has been eliminated in the new education policy in 2020. For a Ph.D. degree, it's mandatory to complete four years research program.

Online Webinar on Intellectual Property Rights

A Two days online National Webinar on intellectual property rights was organized jointly by MJ College Bhilai and S S Khanna Girls Degree College Prayagraj under MoU signed between the two institutions on 08-09 oct 2021

- Introduction about the program by Mrs. Mamta S Rahul Assistant Professor MJ College Bhilai
- Welcome, Address by Dr Anil Chuobey Principal MJ College Bhilai.
- Resource persons 1-Dr Ayush Khare Associate Professor, National Institute of Technology, Raipur,CG 2-Dr Bharati Das Associate Professor JNKVV Jabalpur MP
- Address by Dr. Manjari Shukla, IQAC Coordinator, S S Khanna Girls Degree College, Prayagraj
- Vote of Thanks by Mrs Archana Tripathi, IQAC Coordinator, MJ College Bhilai

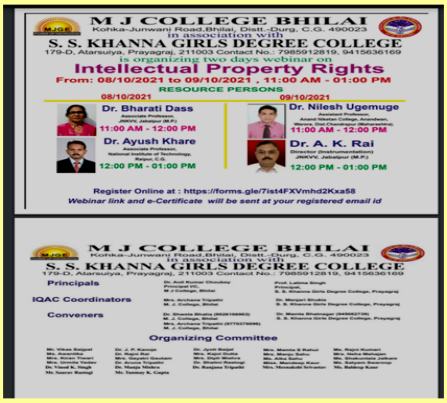

Faculty exchange programme from 27 oct to 30 oct 2021

Four days online lecture series organised jointly by MJ College Bhilai and SS Khanna Girls Degree College Prayagraj under MoU signed between the two institutions from 27 oct to 30 oct 2021.the objective of this study is to provide students with cross cultural diverse environment .to encourage professional development through stimulus of different settings. welcome and thanks Given by Dr. Mamata Bhatnagar.

डॉ मधु टंडन बी एड संकाय

दिनांक 02.10.2021 को डॉ0 मधु टण्डन बी.एड.विभाग में गाँधी जयन्ती के उपलक्ष्य पर गुजरात के अहमदाबाद जिले के साबरमती आश्रम में Virtual tour का आयोजन कराया गया तथा साथ ही साथ एक ऑनलाइन प्रश्नमंच आयोजित किया गया प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा

प्रथम–सुगम त्रिपाठी,
द्वितीय –वर्शा पाण्डेय तथा
तृतीय –नेत्रा द्विवेदी

दिनांक 11.11.2021 को अब्दुल मौलाना आजाद की जयन्ती पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन ऑनलाइन मोड पर किया गया, जिसके अन्तर्गत सरस्वतीवन्दना,स्लोगन प्रतियोगिता डिजिटल एवं हैण्डमेड पोस्टर कॅम्पटिशन तथा जैम (जस्ट ए मिनट) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

Ms Kavya Singh got the Best Oral Presentation Award 2021 in Chemistry on the occasion of Conference on emerging sustainablility Trends in Agricultural, rural & Environmental Development by SOCIETY OF BIOLOGICAL SCIENCES AND RURAL DEVELOPMENT, Prayagraj

एस एस खन्ना महिला महाविद्यालय प्रयागराज की निशा गौतम बी ए तृतीय वर्ष ने 48वी सीनियर स्टेट खो खो प्रतियोगिता दिनांक 18 से 20 दिसम्बर,2021 तक नोएडा में खेले गए मैच में जिसमे प्रयागराज की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया टीम कोच टीम मैनेजर एवम सभी विजेता खिलाड़ियों को महाविद्यालय की तरफ़ से बहुत बहुत बधाई ।

7 Day Jewellery Making & Fabric Painting Internship By Fevicryl

A 7-days workshop was organised under the leadership of Dr. Vinita Mishra, Co– ordinator, Fashion Designing Course at SS Khanna Girls' College from 10th Dec. to 18th Dec. 2021. In this workshop, the girls were made aware of all the things related to fashion designing so that they can be able to achieve their future self-reliance. In this workshop, students learned and gained the skills of dress designing of Indian and western clothes. In this workshop more than 50 girl students got training in Madhubani painting, Dokra painting, Fabric painting, Moral painting etc. During the entire program, the students worked with great enthusiasm.

One Day Training Workshop By Usha Sewing Machine Company under Fashion Designing Diploma Course,

On the month of December 07-12-2021 one day training workshop was organized by *Usha Sewing Machine Company under Fashion Designing Diploma Course* in SS Khanna Mahila Mahavidyalaya Prayagraj. In which the girl students got information about modern sewing techniques and got training in cutting edge techniques used in sewing, embroidery, weaving etc. of clothes.

List of Activities :IIC

Online Awareness session on Intellectual Property Rights

Date: 29 Oct 2021

Resource Person

Mr. Mukul Pant, Principal Partner 4A IP Solution, Founder Oohr innovations

Motivational Session by Successful Entrepreneur, Date :12.11.2021

Resource Person
-Ms. Anita Kumari
'Mushroom Lady of Bihar'

Motivational Session by Successful Innovator
Date:13.11.2021

Resource Person

Rahul Lakhmani

Founder and CEO at Skiify Solutions Pvt Ltd

"Start-up and career opportunities in Germany" (India Startup Day Celebration

Date: 20.11.2021 ,

Resource Person

Dr. Mohammed Faizan, Founder & Managing Director

ComfNet Solutions GmbH,

Hamburg, Germany.

"Entrepreneurship and Innovation as Career Opportunity
Date: 22.11.2021
,Resource Person
Ms. Purvi Roy
Founder and CEO, Technology Start-up Arista Vault & Owner La-Styliste and
Mr. Sanjeev Chopra
CEO, Electropreneur Park (Project of STPI, India)

Pitching Event for Ideas Scouted & linkage with Innovation Ambassadors for mentorship support. (Innovation and Entrepreneurship)

Date : 25.11.2021

Resource Person—

Dr.. Arun Prakash Associate Professor

Department of Electronics & Communication Engineering, Motilal Nehru National Institute of Technology Allahabad, Prayagraj

Session on problem solving and ideation

Date: 24.11.2021,

Resource Person Dr.Pushpender Kumar Associate Professor, Dept of Commerce Kirori Mal College, University of Delhi

Online Advisory Meeting of CPE, phase II held on 23. 11.2021

Nominated Members by UGC

- **Dr. M. L. Nath**

  Director, Institute for Excellence in Higher Education (CPE), Bhopal,

- **Professor Namita Singh**

  Department of Bio & Nano Technology, Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar,

Chief Editor :
Dr. Meenu Agrawal,
Department of Ancient History

Editor :
Dr. Manjari Shukla
Department of Philosophy

Co- Editors :
Dr. Vinita Mishra,
Department of Medieval History
Dr. Nishi Seth,
Department of Ancient History

Faculty of Arts :
Dr. Neerja Sachdeva
Dr. Jyoti Kapoor
Dr. Rachana Anand Gaur
Dr. Ritu Jaiswal
Dr. Rekha Rani
Dr. Sangeeta Gautam
Dr. Sheo Shankar Srivastava
Dr. Ruchi Malviya
Dr. Tahira Parveen
Dr. Aditya
Dr. Arifa Begum
Dr. Saumya Krishna
Dr. Shraddha Rai
Mr. Sugandh Chodhary
Dr. Parth Dey
Dr. Riya Mukherjee
Dr. Sadaf
Dr. Dr. Harish Kumar Singh
Dr. Nita Sahu
Dr. Rashmi Singh
Dr.Shashi Pandey
Dr. Neha Rai
Dr. Preeti Yadav
Dr. Priyanka Gupta
Dr. Priyanka Malik gupta
Dr. Kalpana Mishra
Dr. Seema Pandey
Dr. Jyoti Kanoujiya
Miss Neha Tewari
Miss Kanupriya
Dr. Vaibhav Agrawal